antim yatra:arunjaity.qxd 9/26/2010 7:41 PM Page 60

नई दिल्ली पुष्पांजलि सभा: वरिष्ठ भाजपा नेता केशरनाथ साहनी

नानाजी के निधन से देश ने एक महान सपूत खो दिया है। वह भारत के आधुनिक ऋषियों में से एक थे। उन्होंने सच्चे मूल्यों पर आधारित राजनीति की। उनका साहस अनुकरणीय था। राजनीति से समाज कार्य के प्रति समर्पित होने का उनका उदाहरण हमेशा के लिए अनुकरणीय रहेगा।

नितिन गडकरी
अध्यक्ष, भाजपा

नानाजी पहल और प्रयोग के पक्षधर थे। राजनीति से लेकर ग्राम्य विकास की यात्रा तक उन्होंने नए-नए प्रयोग किए। ग्रामीण भारत को मजबूत करने की दिशा में उन्होंने जो पहल की, उसने पूरे देश का ध्यान खींचा। उनके साथ काम करने का मुझे मौका भी मिला। किसी बात पर विचार करते हुए उसके छोटे-छोटे बिंदुओं पर भी उनकी दृष्टि रहती थी।

के.एन. गोविंदाचार्य, स्वदेशी चिंतक

नई दिल्ली पुष्पांजलि सभा: विहिप नेता आचार्य गिरिराज किशोर

आपातकाल के समय संघर्ष करके प्रजातंत्र की मुक्ति के लिए उन्होंने जो कार्य किया, उसके कारण देश में परिवर्तन की लहर आई। इसके अलावा देश का नया चेहरा बनाने के लिए ग्रामवासियों के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए एक नया रास्ता दिखाने का काम नानाजी ने अपनी अंतिम सांस तक किया। उनको सही मायने में श्रद्धांजलि देना, उनके दिखाए रास्ते पर चलना चाहिए।

शरद पवार, केंद्रीय कृषि मंत्री

नानाजी का संपूर्ण जीवन देश के लिए था। अपनी त्याग तपस्या से उन्होंने कई मानक स्थापित किए जिनसे समाज सदा प्रेरणा लेता रहेगा। राजनीति से परे जाकर सफलतम सामाजिक कार्य किए जा सकते है, ऐसी मिसाल नानाजी ने कायम की। गांव के विकास से ही देश का विकास हो सकता है. यह प्रयोग उन्होंने करके दिखा दिया।

बी. एस. येदियुरप्पा, मुख्यमंत्री, कर्नाटक

नई दिल्ली पुष्पांजलि सभा: दीनदयाल शोध संस्थान के अध्यक्ष वीरेंद्रजीत सिंह

नई दिल्ली पुष्पांजलि सभा: यादवराव देशमुख, पूर्व प्रधान सचिव, पीआरआई

नई दिल्ली पुष्पांजलि सभा: भाजपा के संगठन मंत्री रामलाल